INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF MANAGEMENT SOCIOLOGY & HUMANITIES

ISSN 2277 – 9809 (online)
ISSN 2348 - 9359 (Print)

An Internationally Indexed Peer Reviewed & Refereed Journal

www.IRJMSH.com
www.isarasolutions.com

Published by iSaRa Solutions

अजमेर जिले मे निर्धनता

डॉ. अभिषेक चौहान
(अतिथि सह आचार्य)
राजकीय कन्या महाविद्यालय किशनगढ, अजमेर

सांराश –: गरीबी अर्थात् निर्धनता से तात्पर्य है जीवन, स्वास्थय तथा कार्यकुशलता के लिऐ न्यूनतम उपभोग आवश्यकताओं की प्राप्ति की अयोग्यता। अजमेर में गरीबी का प्रमुख कारण जलवायिक दशाओं का प्रतिकूल होना जैसे (वर्षा की अनियमितता व कमी), स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, सिंचाई सुविधाओं की कमी, कृषि श्रमिकों का मध्यम स्तर, प्रति व्यक्ति आय में कमी, रोजगार की धीमी गति, युवा ग्रामीण का शहरों की ओर प्रवास, संसाधनों की कमी, घरेलू सुविधाओं की कमी, सार्वजनिक वितरण प्रणाली में कमी, संसाधनों का सही उपयोग न होना।
संकेत शब्द : गरीबी, कार्यकुशलता, समाज।

परिचय –: गरीबी अर्थात् निर्धनता से तात्पर्य है जीवन, स्वास्थय तथा कार्यकुशलता के लिऐ न्यूनतम उपभोग आवश्यकताओं की प्राप्ति की अयोग्यता। इन न्यूनतम आवश्यकताओं में भोजन, वस्त्र, मकान, शिक्षा तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी न्यूनतम मानवीय आवश्यकताएँ शामिल होती हैं। इन न्यूनतम मानवीय आवश्यकताओ के पूरा ना होने से मनुष्य को कष्ट उत्पन्न होता है, स्वास्थ्य तथा कार्यकुशलता की हानि होती है। इसके फलस्वरूप उत्पादन में वृद्धि करना तथा भविष्य में निर्धनता से छुटकारा पाना कठिन हो जाता है।

अध्ययन क्षेत्र –: अजमेर जिला पश्चिमी भारत में राजस्थान राज्य का एक ऐतिहासिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण जिला है। अजमेर नगर का पुराना नाम अजयमेरू था। अजमेर शहर जिले का मुख्यालय है। इस जिले का क्षेत्रफल 8,481 वर्ग किमी है और 2011 की जनगणना के अनुसार जिले की जनसंख्या 2,583,052 है। यह जिला राजस्थान के केंद्र में $25^0$38′ से $26^0$58′ उत्तरी अक्षांश और $73^0$54′ से $75^0$22′ पूर्वी देशांतर के बीच स्थित है। यह उत्तर दिशा में नागौर जिले, पूर्व दिशा में जयपुर और टोंक जिलों, दक्षिण दिशा में भीलवाड़ा जिले और पश्चिम दिशा में पाली जिले से घिरा है। अजमेर जिला आकार में त्रिकोणीय है। यह सामान्यताः कम पहाड़ियों के साथ एक समतल रेतीला मैदान है, जो जिलें के उत्तर–पश्चिमी दिशा में फैला है। अरावली श्रेणी जो मारवाड़ के मैदानी इलाकों को मेवाड़ की उच्च पठारी भूमि से विभाजित करती है। यह श्रेणी अजमेर शहर के निकट समानान्तर क्रम में दिखाई देती है। जिलें का मध्यवर्ती भाग मैदानी है। अरावली श्रेणी थार मरुस्थल से अजमेर जिले को अलग करती है और मरुस्थल के प्रसार को रोकती है। पूर्व में जिला समतल मैदानी है, जबकि पश्चिम में यह पहाड़ी क्षेत्र है क्योंकि यह अरावली पर्वतमाला के निकट है। बनास नदी जिले के दक्षिण पूर्वी भाग से गुजरती है। बनास नदी के साथ चार अन्य छोटी नदियाँ साबरमती, सरस्वती, डाई और खारी है जो इस

क्षेत्र में बहती है। प्रसिद्ध लूनी नदी नाग पहाड़ से निकलती है। जिले में कई प्रमुख झीलें हैं आनासागर, फायसागर, पुष्कर। अन्य प्रमुख झीलों में नारायण सागर, अजयसर, लसाडिया, फूलसागर, शिवसागर, रामसर, बूढ़ा पुष्कर, गुंदोलाव तालाब (किशनगढ) अजगरा, लोरडीसागर है।

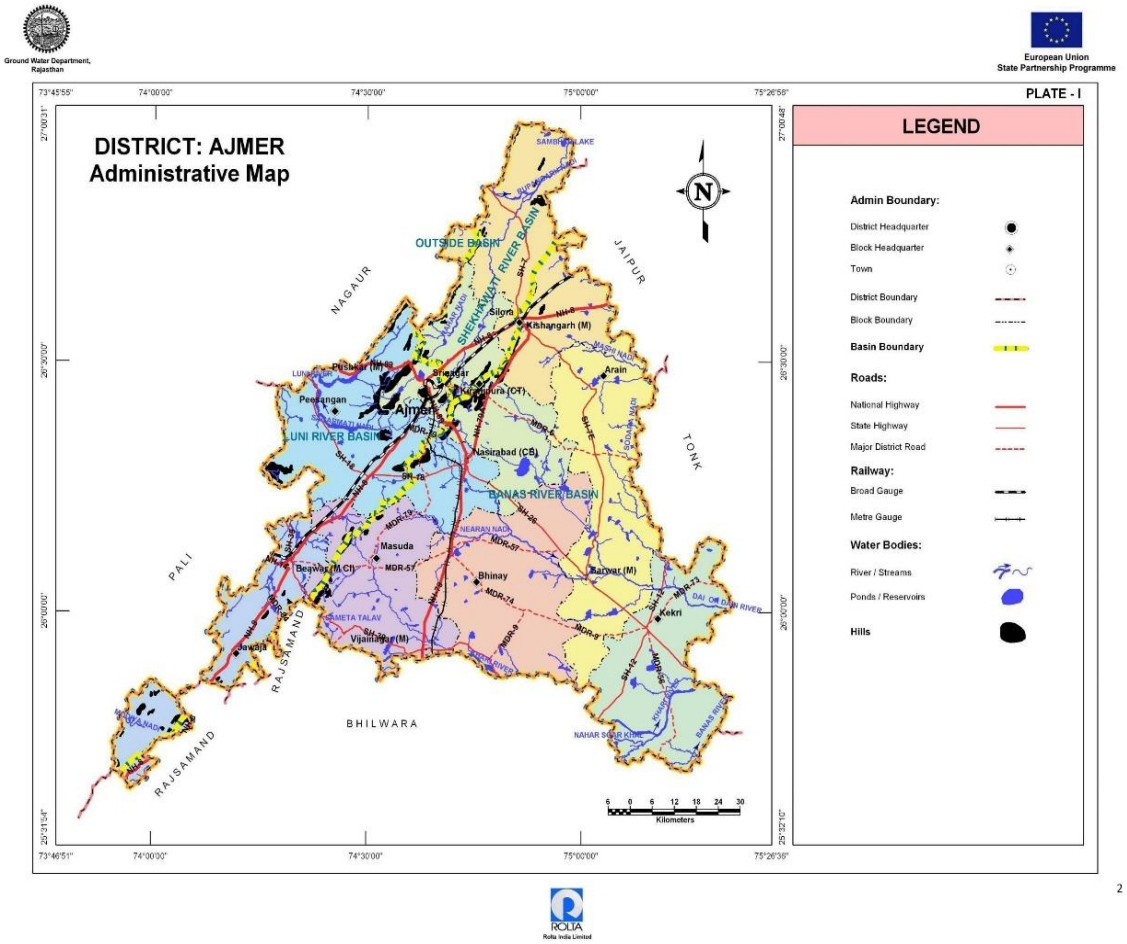

उद्देश्य –: (1) अजमेर जिले में गरीबी भौगोलिक कारणों से प्रभावित होती है।

(2) अजमेर जिले में उपनगरीय क्षेत्रों में गरीबी का स्तर उच्च है।

विधि तंत्र –: इस शोध पत्र में शोध समस्या को सुलझाने के लिए विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके, एकत्रित आंकड़ों का निष्कर्ष निकालकर तथा कई स्रोतों से डेटा एकत्र किया गया है। प्राथमिक डेटा सर्वेक्षण से एकत्र किया गया है। द्वितीयक डेटा विभिन्न विभागों, रिपोर्टों, पुस्तकों और शोध कार्यों से एकत्र किया गया है।

अजमेर मे गरीबी **—:** गरीबो को हर खराब परिस्थिति की मार झेलनी पड़ती है। गरीबो को दो वक्त मजदूरी करने के बाद भी भरपेट खाना मुश्किल से नसीब हो पाता है। गरीबो को शारीरिक तौर पर उचित पालन पोषण नहीं मिलता है।

- **अजमेर जिले में गरीबी भौगोलिक कारणों से प्रभावित होती हैं।**

पर्यावरण के भौगोलिक कारक गरीबी को प्रभावित करते है। अजमेर जिले के गरीब जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों में रहता है। अजमेर जिले के अधिकांश गरीब भूमिहीन कृषक व श्रमिक वर्ग से संबंधित है, जिनका जीवन भूमि, वन और पशुओं जैसे प्राकृतिक तत्वों पर निर्भर है, इनके लिए आजीविका का प्रमुख साधन 'पर्यावरण' ही है। अतः पर्यावरण के क्षरण होने पर गरीबी की सीमा व गहनता में वृद्धि होती है। शोध सर्वेक्षण के दौरान अजमेर जिले में गरीबी को प्रभावित करने वाले प्रमुख भौगोलिक कारक को निम्न सारणी में दर्शाया गया है।

अजमेर जिले में गरीबी को प्रभावित करने वाले प्रमुख भौगोलिक कारक

प्रमुख भौगोलिक कारक	भौगोलिक कारकों के उपभाग	प्रतिशत (%)
जलवायु	वर्षा की अनियमितता	29%
	सूखा	23%
	पाला	11%
	भूमण्डलीय	6%
धरातल	मरूस्थलीकरण/बंजर भूमि	14%
	भूमिगत जल स्तर में कमी	9%
मृदा	लवणीयता / फ्लोराइड	2%
	मृदाक्षरण / अवनलिका अपरदन	1.8%
वनस्पति	वनोन्मूलन	3%
अन्य	खरपतवार व टिड्डी दल	1.2%

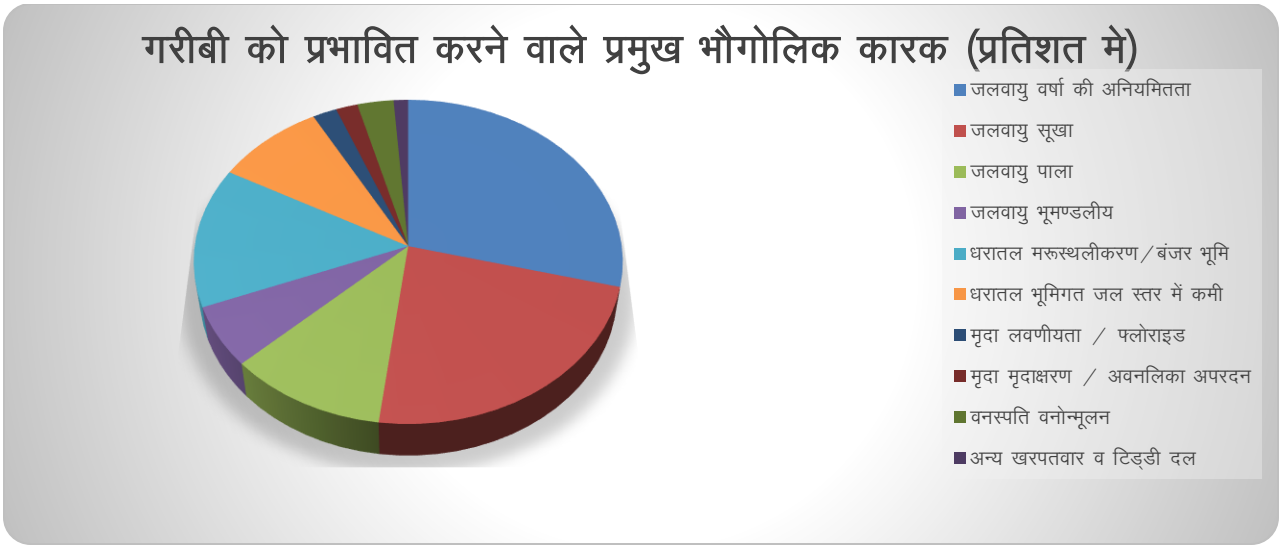

आरेख 1.1

उपरोक्त सारणी व वृत आरेख मे यह दर्शाया गया है कि अजमेर जिले मे गरीबी को प्रभावित करने वाले प्रमुख भौगोलिक कारको मे गरीब को सबसे ज्यादा 29 प्रतिशत वर्षा की अनियमितता प्रभावित करती है। उसके बाद 23 प्रतिशत सूखे से, 14 प्रतिशत मरूस्थलीकरण, 11 प्रतिशत पाला, 9 प्रतिशत भूमिगत जलस्तर मे कमी, 6 प्रतिशत ताप भूमण्डीकरण, 3 प्रतिशत वनोन्मूलन, 1.8 प्रतिशत मृदाक्षरण, 1.2 खरपतवार व टिड्डी दल से प्रभावित होते है। अतः कहा जा सकता है कि गरीबी भौगोलिक कारणों से प्रभावित होती है।

- **अजमेर जिले में उपनगरीय क्षेत्रों में गरीबी का स्तर उच्च है।**

अजमेर जिले में उपनगरीय क्षेत्रों में कुछ छोटी नगरीय व अर्द्धनगरीय बस्तियाँ विकसित है। ये आवासीय विशेषताओं के आधार पर अपने निकटतम नगरों से घनिष्ठ रूप से सम्बन्धित है। शोध सर्वेक्षण के दौरान पाया गया कि इन उपनगरीय क्षेत्रों के विकास के निम्न कारण उत्तरदायी है।

1. आन्तरिक नगरीय भूमि का उच्च मूल्य
2. परिवहन साधनों का विकास
3. विभिन्न उद्योगों की स्थापना
4. निकटवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों से रोजगार की तलाश में जनसंख्या का प्रवास।
5. विभिन्न खनिजों का खनन।

अजमेर जिले में उपनगरीय क्षेत्रों में उपरोक्त कारणो से बड़ी संख्याँ में प्रवासी श्रमिक पहुँचते है। जिससे इन उपनगरीय क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं की कमी हो रही है। साथ ही अकुशल श्रमिकों की निम्न आय के कारण इनका जीवन स्तर काफी निम्न है। उद्योगों में कार्यरत श्रमिक उद्योगों से जनित गम्भीर रोगों से शीघ्र ग्रसित हो जाते है या कई बार औद्योगिक इकाईयों में दुर्घटना के कारण शारीरिक रूप से अपंग हो जाते

है। जिस कारण इनका निर्भरता अनुपात बढ़ जाता है और इनकी आय का बड़ा हिस्सा ईलाज व अन्य आधारभूत सुविधाओं को पूरा करने में ही खर्च हो जाता है।

गरीब परिवारो मे आधारभूत आवश्यकता (भोजन, वस्त्र, मकान) पर सर्वाधिक खर्च किया जाता है। इन मदों के अलावा परिवार के अन्य प्रमुख मद (खर्च) स्वास्थय, शिक्षा व परिवहन पर किया जाता है। गरीब परिवारो की आय का एक बढ़ा हिस्सा स्वास्थय सुविधाओ पर खर्च होता है। जिसके कारण लोगो की आय बढने के पर भी उनके जीवनस्तर मे सुधार नही हो पाता है और गरीब लोग गरीबी के कुचक्र से बाहर नही आ पाते है। यह स्थिति तब है जब राज्य सरकार द्वारा कई स्वास्थय सुविधाएँ मुफ्त उपलब्ध करायी जा रही है। यद्यपि राज्य सरकार द्वारा इस क्षेत्र मे प्रशंनीय कार्य किये जा रहे है परन्तु फिर भी स्वास्थ्य क्षेत्र मे और अधिक सुधार एवं विकास की आवश्यकता है।

उपनगरीय क्षेत्रों में बी.पी.एल. परिवारों मे विभिन्न मदो पर होने वाला खर्च

उपनगरीय क्षेत्रों में परिवारों मे विभिन्न मदो पर खर्च (प्रतिशत मे)	
विभिन्न मद	बी.पी.एल.
शिक्षा	20
स्वास्थय	37
परिवहन	10
अन्य	30
योग	100%

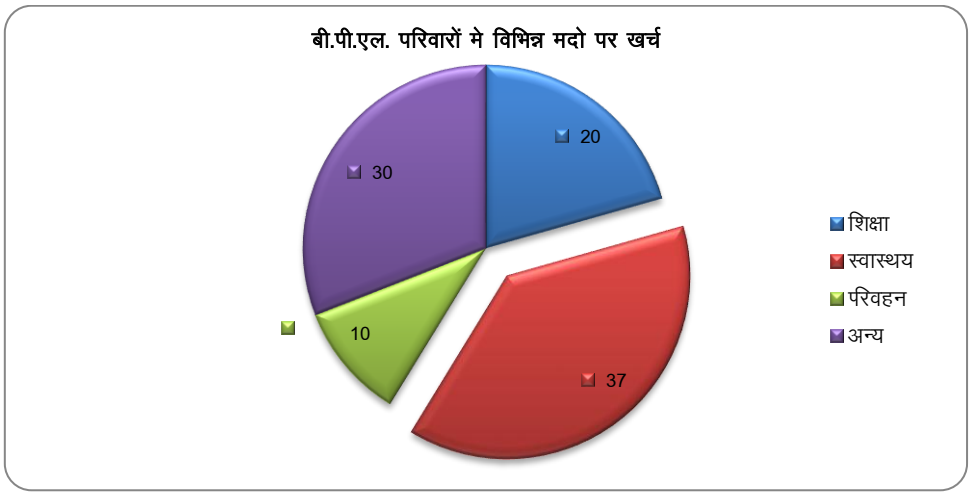

आरेख 1.2

उपरोक्त सारणी एवं आरेख से ज्ञात होता है कि गरीब परिवारो मे गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले वर्ग के परिवारों मे विभिन्न मदो पर खर्च की जाने वाली राशि का एक

बढ़ा हिस्सा स्वास्थय सुविधाओ पर खर्च होता है तथा निम्न जीवन स्तर, स्वच्छता का अभाव, विभिन्न बीमारियों का खर्च, उच्च जनघनत्व के कारण अजमेर जिले के उपनगरीय क्षेत्रों में गरीब का स्तर उच्च है। गरीबी भौगोलिक कारणों से प्रभावित होती है।

अजमेर जिले मे विकास हेतु निम्न बिन्दुओ पर प्राथमिकता दी जानी चाहिये।

- आय सृजन की गतिविधियों में सुधार किया जाये।
- अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए विशेष घटक विकास कार्यक्रम को सुदृढ़ किया जाये।
- भूमि आधारित गरीबी विरोधी रणनीति पर जोर देने की आवश्यकता है।
- वाटरशेड का विकास करना।
- सिंचाई सुविधाओं में सुधार करना।
- शिशु मृत्यु दर में कमी के लिए स्वास्थ्य देखभाल में सुधार किया जाये।
- झुग्गी बस्तियो मे आधारभूत सुविधाए उपलब्ध कराना।
- स्वयं सहायता समूहों के गठन को प्रोत्साहित करे।
- अधिक संख्या में गांवों को पक्की सड़क से जोड़ा जाये।
- महिला साक्षरता अभियान शुरू करें।
- टीकाकरण कार्यक्रम को सुदृढ़ करें।
- छोटे शहरों और शहरी विकास केन्द्र विकसित करना।
- जिला ग्रामीण स्वरोजगार योजना के तहत रोजगार में महिलाओं के हिस्सेदारी में सुधार किया जाये।
- शौचालयों की सुविधा में सुधार।
- स्वच्छ पीने के पानी की व्यवस्था।

संदर्भ ग्रंथ सूची

- डॉ. एस.डी.,मौर्य, ''मानव भूगोल, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, 2016
- शर्मा, प्रो. एच.एस., ''राजस्थान का भूगोल'', पंचशील प्रकाशन, जयपुर, 2017
- बंसल, पी.सी., ''पॉवर्टी मैपिंग एन राजस्थान'', कन्सेप्ट पब्लिकेशन कम्पनी, नई दिल्ली, 2006
- District Census Handbook, 2011 Ajmer, rajasthan Series-09 part XII-A
- https://www.prsindia.org

ISARA INSTITUTE OF MANAGEMENT & PROFESSIONAL STUDIES

WWW.IIMPS.IN

EARN YOUR

MBA

Accreditation & Ranking

UGC / NCTE Approved.

INFO@IIMPS.IN

011-41005174

RESEARCH GATEWAY

STOP PLAGIARISM

1 Submit your content in Word File.

2 Get report in 48 hrs.

3 *Missing content or references will be fixed.

4 Citation for your work.

5 Get accurate user friendly report.

researchgateway.in | info@researchgateway.in

+91-9205579779

AROGYAM ONLINE

Arogyam Ayurveda

Holistic Healing through herbs

100% NATURAL

PARIVARTAN PSYCHOLOGY CENTER

COLOR PSYCHOLOGY : HOW COLOR AFFECT YOUR CHILD

BLUE — Calms your Child's Mind & Body

YELLOW — Promotes Concentration, Stimulates the Memory

PINK — Evokes Empathy, makes your Child Calm

RED — Excites and energizes your Child's body

GREEN — Improves Reading speed and Comprehension

www.parivartan4u.com

Confuse about your children's future?

भारतीय भाषा, शिक्षा, साहित्य एवं शोध

ISSN 2321 – 9726

WWW.BHARTIYASHODH.COM

INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF MANAGEMENT SCIENCE & TECHNOLOGY

ISSN – 2250 – 1959 (0) 2348 – 9367 (P)

WWW.IRJMST.COM

INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF COMMERCE, ARTS AND SCIENCE

ISSN 2319 – 9202

WWW.CASIRJ.COM

INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF MANAGEMENT SOCIOLOGY & HUMANITIES

ISSN 2277 – 9809 (0) 2348 - 9359 (P)

WWW.IRJMSH.COM

INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF SCIENCE ENGINEERING AND TECHNOLOGY

ISSN 2454-3195 (online)

WWW.RJSET.COM

INTEGRATED RESEARCH JOURNAL OF MANAGEMENT, SCIENCE AND INNOVATION

ISSN 2582-5445

WWW.IRJMSI.COM

JOURNAL OF LEGAL STUDIES,POLITICS AND ECONOMICS RESEARCH

WWW.JLPER.COM